इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2018 को इतिहास विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निर्देशानुसार एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. सज्जन कुमार (सहायक प्रवक्ता इतिहास विभाग) ने "भारत में प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों का विचार एवं संरक्षण की विधियाँ" विषय पर अपने विचार रखे। इस अतिथि व्याख्यान का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में हुआ। प्राचार्य महोदय ने डॉ. सज्जन कुमार का महाविद्यालय प्रांगण में पहुँचने पर हार्दिक स्वागत किया और वक्तव्य में कहा कि भारत जैसे प्राचीन सभ्यता वाले देश में ऐतिहासिक स्मारकों का रख–रखाव चुनौतीपूर्ण कार्य है एवं जन जागरूकता का अभाव तथा प्रशासनिक संस्थाओं द्वारा नियम कानूनों की अनदेखी स्थिति को और भी गंभीर बना देती है। तत्पश्चात् इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने विद्यार्थियों को मुख्य वक्ता डॉ. सज्जन कुमार का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. सज्जन कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐतिहासिक इमारतें किसी भी देश के संस्कृति, विरासत और इतिहास को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह इतिहास का आइना है जिसके द्वारा हम अपने इतिहास को देख सकते हैं तथा यह हमारा कर्तव्य है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम इन्हें संरक्षित रखें। उन्होंने आगे कहा कि ये ऐतिहासिक स्मारक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित हो रहे हैं जिसके कारण इन्हें हानि पहुँच रही है इसके बचाव हेतु उन्होंने विभिन्न उपचार तकनीक एवं संरक्षण की विभिन्न विधियों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। अंत में विद्यार्थियों ने इस विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे जिनका डॉ. सज्जन कुमार ने संतोषजनक उत्तर दिया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने डॉ. सज्जन कुमार को विद्यार्थियों द्वारा बनाई गयी चित्रकला स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। अंत में इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता मैडम सुप्रिया ढ़ाँडा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।